सांध्य दैनिक 4PM

सत्य एक डेबिट कार्ड है- पहले कीमत चुकाएं और बाद में आनंद लें। झूठ एक क्रेडिट कार्ड है- पहले आनंद लें और बाद में कीमत चुकाएं।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 132 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 17 जून, 2025

डब्ल्यूटीसी : अब चार दिन के होंगे... 7 | नीतीश कुमार सरकार की कानून... 3 | चुनाव में बीजेपी का कहीं अता... 2

डिजिटल मीडिया का शहंशाह बना 4PM

पूरे किए 75 लाख सब्सक्राइबर्स, चारो ओर से मिल रहे हैं बधाई संदेश

» 4पीएम की यह उपलब्धि डिजिटल मीडिया में भरोसे और जनहित पत्रकारिता की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा मानी जा रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिजिटल मीडिया की दुनिया में एक बड़ा पड़ाव पार करते हुए 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क ने 75 लाख सब्सक्राइबर्स के आंकड़े को पार कर लिया है। इस उपलब्धि पर 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने इसे ईमानदार पत्रकारिता की जीत बताया और अपनी टीम व दर्शकों का आभार व्यक्त किया। हालांकि यहां तक का सफर आसान नहीं था और विपरीत परिस्थितियों को पार करते हुए संस्थान यहां तक पहुंचा है। इस दौरान चैनल को बैन किया गया। तकनीकी तौर पर हमले हुए और तरह-तरह के हथकंडे अपनाये गये। लेकिन दर्शकों का स्नेह और जिद सच की टैग लाइन के साथ हम डंटे रहे।

संपादक संजय शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि आज जो भी मुकाम हमने हासिल किया है, वो सिर्फ और सिर्फ आप सबकी मेहनत, जुनून और भरोसे की वजह से है। दिन हो या रात, बारिश हो या गर्मी, सिस्टम का दबाव हो या सेंसरशिप 4पीएम ने कभीहार नहीं मानी।

आज जो भी मुकाम हमने हासिल किया है, वो सिर्फ और सिर्फ आप सबकी मेहनत, जुनून और भरोसे की वजह से है।

आसान नहीं था सफर

4पीएम का सफर आसान नहीं रहा। 4पीएम न्यूज नेटवर्क के संपादक संजय शर्मा ने संघर्ष को याद करते हुए कहा कि कैसे कई बार सरकार के दबाव में चैनल को बैन किया गया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट से न्याय पाकर चैनल की बहाली हुई। इस संघर्ष को याद करते हुए संजय शर्मा ने कहा कि यह जीत लोकतंत्र में विश्वास रखने वालों की जीत है। 4पीएम अखबार हो या यूट्यूब चैनल या पोर्टल इन सभी प्लेटफॉर्म्स पर खबरें जिद सच की टैगलाइन के साथ उसी तेवर में प्रसारित होती हैं, जो जनता की आवाज और सच्चाई को बिना संकोच सामने रखने के लिए जानी जाती हैं।

> "यह मील का पत्थर हम सबके लिए एक नई शुरुआत है। धन्यवाद मेरे साथ खड़े रहने के लिए। शुक्रिया हर मुश्किल में विश्वास बनाए रखने के लिए।
>
> संजय शर्मा, संपादक 4पीएम

7.5M

टीम की मेहनत

संजय शर्मा ने कहा कि हर रिपोर्ट हर वीडियो हर लाइन के पीछे टीम की मेहनत घंटों का समर्पण और साफ़ नीयत झलकती है। मैं गर्व से कह सकता हूँ कि मेरे पास देश की सबसे ईमानदार, बहादुर और ज़मीन से जुड़े पत्रकारों की टीम है। उन्होंने यह भी कहा कि दर्शकों और पाठकों ने 4पीएम को केवल एक चैनल नहीं बल्कि एक जन आंदोलन में बदल दिया है। यह 75 लाख का आंकड़ा सिर्फ एक नंबर नहीं बल्कि विश्वास, प्रतिबद्धता और जनभागीदारी की मिसाल है। संजय शर्मा ने कहा कि यह मील का पत्थर हम सबके लिए एक नई शुरुआत है। धन्यवाद मेरे साथ खड़े रहने के लिए। शुक्रिया हर मुश्किल में विश्वास बनाए रखने के लिए।

ईरान-इजरायल युद्ध, चरम पर तनाव

» ईरान के बढ़ते हमलों से बौखलाया इजरायल

» सीरिया ने इजरायल की मदद के लिए बढ़ाये हाथ तो रूस और चीन ईरान के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध एक नए चरम पर पहुंच चुका है। युद्ध के पांचवें दिन दोनों ओर से हवाई व मिसाइल हमलों का सिलसिला जारी रहा है जिससे दोनों

और भारी तादाद में जान-माल की हानि हुई हैं। ईरान के ताबड़तोड़ हमलों से इजरायल में मृतकों और घायलों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। हाइफा स्थित इजरायल की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी कंपनी बाजन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी है और इसको बंद कर दिया गया है। सोमवार की रात हुए हमले में कंपनी के तीन कर्मचारी मारे गए और पूरे परिसर में आग लग चुकी है। ताजा हालात को देखते हुए आस्ट्रेलिया, अमेरिका और भारत समेत तमाम मुल्कों ने नई एडवाइजरी जारी की है। जिसमें नागरिकों से तुरंत ईरान छोड़ने के? लिए कहा गया है। भारत ने भी संकट नियंत्रण कक्ष को सक्रिय कर दिया है।

किसी भी कीमत पर खामनेई को मारना चाहता है इजरायल

शांति के प्रयास जारी

फ्रांस के राष्ट्रपति ने कूटनीतिक मध्यस्थता की पेशकश की है। यूएन महासचिव ने भी एक अंतरराष्ट्रीय शांति समिति बनाने का प्रस्ताव दिया है। लेकिन फिलहाल ईरान और इजराइल दोनों के सुर आक्रामक हैं। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी इस मुद्दे पर मतभेद हैं। ट्रंप समर्थक इसे एक निर्णायक युद्ध बता रहे हैं जबकि कई अमेरिकी सांसद इसे अनावश्यक युद्ध मानते हैं। डेमोक्रेट्स ने राष्ट्रपति की भूमिका पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि ट्रंप आग में घी डाल रहे हैं जबकि जरूरत पानी की है।

संबंधित खबर पेज-2 पर

चुनाव में बीजेपी का कहीं अता-पता नहीं मिलेगा : अखिलेश

» जातीय जनगणना और वोटर लिस्ट पर संदेह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि यूपी में 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को ऐसा पराजय मिलेगी कि उसका कहीं अता-पता नहीं चलेगा। उन्होंने यह बयान समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में आयोजित समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की राष्ट्रीय और प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के उपरांत आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दिए।

वहीं समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने भाजपा पर आंकड़ों में हेरफेर का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो सरकार महाकुंभ जैसे संवेदनशील मामले में झूठ बोल सकती है उस पर वोटर लिस्ट या जातीय जनगणना जैसे मुद्दों पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आगह करते हुए कहा है कि भाजपा सरकार में हर विभाग में भ्रष्टाचार और लूट है। जातीय जनगणना के आंकड़ों को जानबूझकर तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है। इस पर ध्यान रखना होगा।

झूठ बोलने वाली सरकार

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे को लेकर भाजपा सरकार पर झूठ बोलने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हादसे में श्रद्धालुओं की मौत के असली आंकड़े छिपाए गए और सरकार ने जानबूझकर संख्या केवल 37 बताई ताकि मुआवजा न देना पड़े। उन्होंने कहा कि अब जब एक प्रतिष्ठित समाचार संस्था ने पूरा आंकड़ा और सच्चाई सामने ला दी है तो सरकार कहीं भी मुंह दिखाने लायक नहीं बची है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा कई मृतकों के परिजनों को चुपचाप मुआवजा दिया गया लेकिन जिन परिवारों ने पैसे नहीं लिए उनका पैसा किसके पास गया यह स्पष्ट नहीं किया गया है।

अल्पसंख्यक सभा की बैठक

समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की बैठक में पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी, प्रदेश अध्यक्षगण और कार्यकर्ता शामिल हुए। अखिलेश यादव ने इस मौके पर संगठन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह पार्टी का एक बहुत महत्वपूर्ण संगठन है।उन्होंने यह भी कहा कि सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर 2027 की तैयारी का संकल्प लें।

क्या यही विकसित भारत है

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार महंगाई पर काबू पाने में पूरी तरह विफल रही है। उनके अनुसार देश में हर वस्तु महंगी हो गई है। जिससे आम आदमी की आर्थिक स्थिति गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। उन्होंने विशेष रूप से सोने की कीमत का हवाला देते हुए कहा कि वह अब एक लाख रुपये प्रति दस ग्राम से ऊपर जा चुका है। उन्होंने सरकार से सवाल पूछा है कि गरीब व्यक्ति अपनी बेटी की शादी कैसे करेगा? इस महंगाई में शादी-ब्याह में गरीब बेटी को कुछ भी देने की स्थिति में नहीं है। क्या यही भाजपा का विकसित भारत है? उन्होंने यह भी जोड़ा कि बेरोजगारी की दर में भी कोई ठोस कमी नहीं आई है और युवाओं को काम नहीं मिल रहा है।

युद्ध के विरोध में समाजवादी रुख

एक पत्रकार के सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी किसी भी युद्ध का समर्थन नहीं करती है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि लड़ाई कहीं भी और किसी देश के बीच हो वह बंद होनी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह विदेशों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाए।

हेल्थ सेक्टर पर उठाये सवाल?

स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर भी उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों में अधोसंरचना की भारी कमी है। छात्रों को समुचित प्रशिक्षण और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे छात्रों को फेल न करने का निर्देश सरकार ने इसीलिए दिया है ताकि वे आवाज न उठाएं।

कुप्रबंधन के आरोप

उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की बिजली व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि भाजपा सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में कोई नया पावर प्लांट नहीं लगाया और ना ही बिजली उत्पादन बढ़ाया। इसके बावजूद अब बिजली के दरों में वृद्धि की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर बिजली सस्ती नहीं होगी तो उद्योग नहीं लगेंगे। कारोबार नहीं होगा। अखिलेश यादव ने दावा कि जिन पावर प्लांटों का अभी उद्घाटन किया गया है उनका शिलान्यास समाजवादी सरकार के कार्यकाल में हुआ था।

कानून व्यवस्था पर सवाल

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार आरक्षण नीति का ठीक से पालन नहीं कर रही है और जातिगत अन्याय लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के विधायकों और नेताओं को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। प्रयागराज में पाल समाज की एक बेटी को न्याय नहीं मिलने का उदाहरण देते हुए कहा कि दोनों उपमुख्यमंत्री जातीय झगड़ा करा रहे हैं। प्रयागराज में बेटी को न्याय मिलना चाहिए।

ईरान के हमलों से बौखलाया इजराइल, चारो ओर अफरा-तफरी

» ईरान में तख्तापलट की इजायरली योजना फेल मोसाद एजेंटों की लंबी फौज गिरफ्तार

» कई बागियों को फांसी आईआरजीसी ने कमान अपने हाथों में ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इजराइल ईरानी हमलों से बौखला गया है। अब वह ईरान पर और ज्यादा आक्रमक है। बातचीत के सभी कोशिशें नाकाम है और ट्रंप जी-7 की बैठक जल्द छोड़कर अमेरिका वापस लौट चुके हैं। ईरान ने दावा किया है कि उसने मोसाद के एक बड़े नेटवर्क को पकड़ लिया है जो वहां के परमाणु वैज्ञानिकों को मारने की योजना बना रहा था। ईराम में अभी मोसाद के 28 एजेंट गिरफ्तार हो चुके हैं जिनमें से कई अफगान और तुर्क मूल के बताए गए हैं।

ईरानी मीडिया के अनुसार इनसे बड़ी मात्रा में नकदी नकली पासपोर्ट और उपग्रह फोन मिले हैं। इनमें से 5 को सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई है। आईआरजीसी ने ईरान की सुरक्षा व्यवस्था की पूरी तरह अपने हाथ में ले लिया है। सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने कहा है कि हमारे देश के अंदरूनी दुश्मनों का सफाया जरूरी है। ईरान और इजराईल के सैकड़ों नागरिकों की मौत हो चुकी है और घायलों की संख्या हजारों में पहुंच गयी है। कच्चे तेल की कीमतों में आग लग चुकी है और यह प्रति बैरल 120 डालर क्रास कर चुकी है। भारतीय शेयर बाजार लाल निशान पर चल रहे हैं। सोने की चाल तेज है और पूरे विश्व में मंदी की आहट के साथ तीसरे विश्व युद्ध होने की बातें शुरू हो चुकी है। भारत ने विशेष कंट्रोल रूप की स्थापना की है। भारतीय दूतावास युद्ध क्षेत्र में फंसे भारतीयों के सम्पर्क में हैं। और वहां इस समय कितने लोग मौजूद है सही संख्या का आंकड़ा लागाया जा रहा है। ईरान गये लोगों के परिजन परेशान है क्योंकि अब दूरभाष तो छोड़ये व्हाटसएप कालिंग और दूसरे संस्थाधनों से भी उनसे बात नहीं हो पा रही है। एक तीर्थ दल में गये शुजाअत हुसैन के बेटे इमरान ने बताया कि बड़ी मुश्किल से बात हो पा रही है। पिछली बात-चीत के अनुसार शुजाअत हुसैन कुम के होटल में है। वहां अन्य नागरिकों ने बताया कि होटलों के किराये आसमान छूने लगे हैं और चारो ओर असुरक्षा का महौल है।

सबसे बड़ा ध्रुवीकरण

सीरिया ने इजराइल के लिए सहयोग बढ़ाने की घोषणा की है जिससे ईरान को पूर्व दिशा से खतरा उतपन्न हो गया है। वहीं चीन ने खुले तौर पर ईरान को ड्रोन और उपग्रह डेटा की आपूर्ति शुरू कर दी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इस विषय पर राष्ट्रपति ट्रम्प से सीधी बातचीत की। रूस ने युद्ध विराम की पेशकश की है। ईरान–इजराईल युद्ध ने शीतयुद्ध जैसी स्थिति खड़ी कर दी है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी इजराइल के पक्ष में खड़े हैं। जबकि रूस, चीन और तुर्की ने ईरान को अपना पूरा समर्थन दिया है। सऊदी अरब और यूएई ने चुप्पी साध रखी है और अमेरिका को किसी सैन्य साझेदारी से इन्कार किया है। कतर, लेबनान, यमन के हूथी गुट ईरान के पक्ष में उतर आए हैं। यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सबसे बड़ा ध्रुवीकरण है जो यूक्रेन संकट या चीन-ताइवान विवाद से भी गहरा हो चुका है।

» इजरायल में बढ़ रहा है नेतन्याहू का विरोध प्रदर्शन के जरिये जंग रोकने की मांग

» ट्रंप ने तेहरान खाली करने को कहा

» अमेरिका से मांगी मदद पूरा विश्व दो खेमों में बंटता हुआ

» पहली बार ईरानी कूटनीति को कामयाबी मुस्लिम देशों का ईरान को समर्थन

» पुतिन ने की ट्रंप से पूरे प्रकरण पर बात

ईरान को न्यूक्लियर वेपन हासिल नहीं करने देंगे : डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ' पर लिखा है कि ईरान को न्यूक्लियर वेपन हासिल नहीं करने देंगे। उन्होने कहा कि ईरान को वह डील साइन कर लेनी चाहिए थी जो मैंने उनसे कही थी। इंसानी जिंदगियों के नुकसान का अफसोस है। मैं साफ-साफ कहता हूं कि ईरान को न्यूक्लियर वेपन हासिल नहीं करने देंगे। मैंने बार-बार यही कहा है। सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान इजराइल-ईरान के बढ़ते तनाव के बीच आया है जिसने न सिर्फ ईरान बल्कि उसके साथ-साथ वैश्विक नेताओं के बीच भी खलबली मचा दी है।

ऑस्ट्रेलिया ने शुरू किया योजना बना कर काम

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने ईरान से अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी शुरू कर दी है। रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरॉय ने बताया कि सरकार ईरान में उन नागरिकों को निकालने की योजना बना रही है, जो मिडिल-ईस्ट में संघर्ष के बीच देश छोड़ना चाहते हैं। पैट कॉनरॉय ने कहा, इस समय हवाई क्षेत्र बंद है, इसलिए विमानों का आवागमन बाधित है, लेकिन हम ऑस्ट्रेलियाई लोगों को निकालने या उन क्षेत्रों के फिर से खुलने पर उन्हें कमर्शियल फ्लाइट्स में सवार होने में मदद करने की योजना बना रहे हैं।वर्तमान में मौजूद सभी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को विदेश डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन अफेयर्स एंड ट्रेड के साथ रजिस्ट्रेशन की सलाह दी गई है। विदेश मामलों के मंत्री पेनी वोंग ने सोमवार को कहा कि 350 ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों ने डीएफएटी को ईरान छोड़ने की अपनी इच्छा के बारे में सूचित किया है। 300 नागरिकों ने इजरायल छोड़ने की इच्छा जताई है। अभी अन्य लोगों के रजिस्ट्रेशन करवाने की उम्मीद है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

नीतीश कुमार सरकार की कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

मुजफ्फरपुर कांड से दहला देश

दलित नाबालिग से दरिंदगी के बाद हत्या

» मायावती का हमला, कब बदलेगा बिहार?

» बसपा ने एनडीए सरकार पर किया वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक 9 वर्षीय दलित नाबालिग बच्ची के साथ हुए बलात्कार और चाकू से हमले की दिल दहलाने वाली घटना ने न केवल राज्य की कानून-व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल दी है। बल्कि नीतीश कुमार की अगुवाई वाली एनडीए सरकार और उनके सहयोगी भारतीय जनता पार्टी शासन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना में बच्ची को 26 मई 2025 को बलात्कार के बाद चाकू से 20 से अधिक बार गोदा गया। जिसके बाद उसे गंभीर हालत में पहले मुजफ्फरपुर के कृष्ण मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में और फिर पटना मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में भर्ती किया गया, लेकिन इलाज में घोर लापरवाही और देरी के कारण 31 मई 2025 को बच्ची ने दम तोड़ दिया।

इस घटना ने न केवल सामाजिक और मानवीय संवेदनाओं को झकझोर दिया है। बल्कि बिहार में सत्तारूढ़ गठबंधन की नाकामी को भी उजागर किया है। मुजफ्फरपुर के कुढ़नी प्रखंड में 26 मई 2025 को 9 वर्षीय दलित बच्ची के साथ बलात्कार की वारदात हुई। आरोपी जिसकी पहचान रोहित सहनी के रूप में हुई। जिसने न केवल बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। बल्कि उसे चाकू से 20 से अधिक बार गोदकर मरणासन्न कर दिया। बच्ची के शरीर पर चाकू के गले और पेट पर गहरे जख्म हो गए। जिसके बाद बच्ची को तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां 6 दिनों तक इलाज चला। लेकिन स्थिति बिगड़ने पर उसे 30 मई कोपटना रेफर किया गया वहां भर्ती प्रक्रिया में हुई देरी और स्वास्थ्य सेवाओं की लापरवाही ने बच्ची की जान ले ली। परिजनों का आरोप है कि बच्ची को 4 घंटे तक एंबुलेंस में तड़पने के लिए छोड़ दिया गया, और उसे एक विभाग से दूसरे विभाग में दौड़ाया गया।

जिसको लेकर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस घटना को लेकर बिहार की नीतीश सरकार पर तीखा हमला बोला है।˙ मायावती ने कहा कि बिहार के मुजफ्फरपुर में दलित नाबालिग के साथ दुष्कर्म, फिर चाकू से गोदकर निर्मम हत्या और पटना अस्पताल में इलाज में देरी से उसकी मौत- यह घटना राज्य की बदहाल कानून-व्यवस्था और चरमराई स्वास्थ्य सेवाओं का जीता-जागता प्रमाण है, यह अति-निन्दनीय और अति-चिंतनीय है, मायावती ने नीतीश सरकार से सवाल किया कि आखिर बिहार कब बदलेगा और मांग की कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए साथ ही पीड़ित परिवार को हर संभव मदद और न्याय सुनिश्चित किया जाए। आपको बता दें कि मायावती का यह बयान न केवल बिहार सरकार की विफलताओं को उजागर करता है। बल्कि यह भी दिखाता है कि बसपा आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में दलित और कमजोर वर्गों के मुद्दों को केंद्र में लाने की रणनीति पर काम कर रही है। बसपा ने घोषणा की है कि वह बिहार की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। जिससे यह स्पष्ट है कि मायावती दलित वोट बैंक को साधने के साथ-साथ नीतीश सरकार और बीजेपी के खिलाफ विपक्षी गठबंधन को मजबूत करने की कोशिश में हैं।

बिहार में ऐसी घटनाओं की आई बाढ़

नीतीश कुमार 2005 से बिहार के मुख्यमंत्री हैं और नीतीश ने बार-बार सुशासन का दावा किया है लेकिन इस घटना ने उनके इस दावे की पोल खोल दी है। बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति पहले से ही चरमराई हुई है और इस तरह की घटनाएं इसे और स्पष्ट करती हैं। मुजफ्फरपुर में पहले भी 2018 में बालिका गृह यौन शोषण कांड सामने आया था। जहां ब्रजेश ठाकुर जैसे लोग सरकारी संरक्षण में अपराधों को अंजाम दे रहे थे। इस बार भी रोहित सहनी जैसे अपराधी के खिलाफ समय पर कार्रवाई न होने की बात सामने आई है। स्थानीय लोगों और विपक्ष का आरोप है कि सहनी की आपराधिक पृष्ठभूमि होने के बावजूद उसे खुला छोड़ दिया गया। जिसके कारण यह जघन्य अपराध हुआ। वहीं कानून-व्यवस्था की इस

विफलता के साथ-साथ बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था भी इस घटना में निशाने पर है पीएमसी॥ राज्य का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है। जिस पर इलाज में लापरवाही का गंभीर आरोप लगा है। बच्ची को भर्ती करने में घंटों की देरी उचित आईसीयू सुविधाओं का अभाव और विभागों के बीच समन्वय की कमी ने उसकी जान ले ली यह पहली बार नहीं है जब बिहार की स्वास्थ्य सेवाएं सवालों के घेरे में हैं 2019 में मुजफ्फरपुर में ही चमकी बुखार से सैकड़ों बच्चों की मौत ने भी स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली को उजागर किया था।

बीजेपी के स्थानीय सांसद ने भी उठाए सवाल

बीजेपी के स्थानीय सांसद संजय जायसवाल ने इस घटना पर शर्मिंदगी जताते हुए कहा कि जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और जिनकी लापरवाही से यह हुआ उन्हें सजा मिलनी चाहिए। लेकिन यह बयान केवल खानापूर्ति करता नजर आता है। क्योंकि बीजेपी नेतृत्व ने इस मामले में कोई ठोस कदम उठाने की बात नहीं की। केंद्रीय नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी इस मामले को और गंभीर बनाती है वहीं यह सवाल उठता है कि जब दलित समुदाय की एक मासूम बच्ची के साथ इतना जघन्य अपराध होता है तो बीजेपी की सबका साथ, सबका विकास की नीति कहां चली जाती है।

कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और वामपंथी दलों ने नीतीश सरकार को घेरा

वहीं इस घटना ने बिहार में सियासी तूफान खड़ा कर दिया है, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और वामपंथी दलों ने नीतीश सरकार को घेरते हुए इसे संस्थागत हत्या करार दिया है। कांग्रेस ने पटना में जोरदार प्रदर्शन किया। जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे के खिलाफ नारेबाजी की कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि यह घटना बिहार में कानून-व्यवस्था और स्वास्थ्य प्रणाली के ध्वस्त होने का सबूत है आरजेडी ने भी ङ्क पर नीतीश सरकार को निशाना बनाते हुए कहा कि संवेदनहीन व्यवस्था ने एक मासूम की जान ले ली। आपको बता दें कि राहुल गांधी ने भी इस घटना की निंदा करते हुए पर लिखा कि मुजफ्फरपुर में दलित नाबालिग बेटी के साथ दरिंदगीऔर फिर इलाज में हुई लापरवाही बेहद शर्मनाक है।. यह बयान न केवल सरकार की नाकामी को उजागर करता है, बल्कि दलित समुदाय के बीच विपक्ष की संवेदनशीलता को भी दर्शाता है।

जदयू और भाजपा की है जवाबदेही

नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) के साथ गठबंधन में सत्तारूढ़ बीजेपी भी इस मामले में जवाबदेही से नहीं बच सकती। केंद्र और राज्य में बीजेपी-जेडीयू की डबल इंजन सरकार का दावा है कि वह बिहार को विकास और सुरक्षा के नए आयाम दे रही है, लेकिन इस घटना ने इस दावे को खोखला साबित कर दिया है, कांग्रेस नेता कृष्णा अल्लावरु ने सटीक टिप्पणी करते हुए कहा कि बिहार में डबल इंजन सरकार का फायदा सिर्फ मंत्रियों और सत्ताधारी नेताओं को हो रहा है न वंचितों को, न बच्चों को।

विस चुनाव में बनेगा बड़ा मुद्दा

बिहार में 2025 के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर यह घटना और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। दलित समुदाय बिहार की आबादी का करीब 16प्रतिशत है। हमेशा से चुनावी रणनीति का केंद्र रहा है। मायावती की बसपा इस बार सभी 243 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है जिसका लक्ष्य दलित और पिछड़े वर्गों के वोटों को एकजुट करना है। मायावती का यह बयान न केवल नीतीश सरकार की आलोचना है। बल्कि दलित वोटरों को यह संदेश भी देता है कि बसपा उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, नीतीश कुमार और बीजेपी ने हाल ही में सवर्ण आयोग और जातीय संतुलन की रणनीति अपनाकर विभिन्न जातियों को साधने की कोशिश की है। लेकिन इस घटना ने उनके इस दावे पर पानी फेर दिया है अगर नीतीश सरकार और बीजेपी इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं करती है तो यह उनके लिए चुनावी नुकसान का कारण बन सकता है। मुजफ्फरपुर की इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि बिहार में न तो कानून-व्यवस्था सुधरी ह और न ही स्वास्थ्य सेवाएं। नीतीश कुमार और बीजेपी की डबल इंजन सरकार के दावे खोखले साबित हुए हैं। इस घटना ने दलित समुदाय के प्रति सरकार की संवेदनहीनता को उजागर किया है। वहीं मायावती का सवाल आखिर बिहार कब बदलेगा? हर बिहारी के मन में गूंज रहा है। बता दें कि बिहार में दलितों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए ठोस नीतियां और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना समय की मांग है अगर सरकार इस दिशा में कदम नहीं उठाती। तो आगामी चुनाव में जनता इसका जवाब देगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नागरिकों के लिये न्याय सहज सुलभ महसूस हो

भारतीय न्याय प्रणाली की कमियों पर मंथन करते हुए उसे अधिक चुस्त, त्वरित एवं सहज सुलभ बनाना। मतलब यह सुनिश्चित करने से है कि सभी नागरिकों के लिये न्याय सहज सुलभ महसूस हो, वह आसानी से मिले, जटिल प्रक्रियाओं से मक्त होकर सस्ता हो। इस दृष्टि से यह अकल्पित उपलब्धियों से भरा-पूरा अवसर भारतीय न्याय प्रक्रिया को एक नई शक्ति, नई ताजगी, और नया परिवेश देने वाला साबित हो रहा है।

पीएम व चीफ जस्टीस ने कहा था कि भारत को अगर एक मजबूत राष्ट्र बनाना है तो पुराने कानूनों का सरलीकरण करना आवश्यक है। देश के दो प्रमुख संवैधानिक प्रमुखों की यह राय उचित है। इस तरह से जहां मुकदमों के देरी होने की प्रथा पर रोकथाम होगी वंही पेंडिंग केसो की संख्या भी कम होती। इससे आमजनता को भी लाभ मिलेगा। दरअसल प्रधानमंत्री ने सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को प्रभावी, आधुनिक, तकनीकी बनाने के लिये उठाये कदमों की चर्चा की। उन्होंने अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को बदलने एवं आधुनिक अपेक्षाओं के नये कानून बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। भारतीय न्याय प्रणाली की कमियों पर मंथन करते हुए उसे अधिक चुस्त, त्वरित एवं सहज सुलभ बनाना। मतलब यह सुनिश्चित करने से है कि सभी नागरिकों के लिये न्याय सहज सुलभ महसूस हो, वह आसानी से मिले, जटिल प्रक्रियाओं से मुक्त होकर सस्ता हो। इस दृष्टि से यह अकल्पित उपलब्धियों से भरा-पूरा अवसर भारतीय न्याय प्रक्रिया को एक नई शक्ति, नई ताजगी, और नया परिवेश देने वाला साबित हो रहा है। क्योंकि आजादी के अमृतकाल में पहुंचने तक भारत की न्याय प्रणाली अनेक कंटिली झाड़ियों में उलझी रही है।

भारतीय न्यायिक व्यवस्था का छिद्रान्वेषण करें तो हम पाते हैं कि न्यायाधीशों की कमी, न्याय व्यवस्था की खामियाँ और लचर बुनियादी ढाँचा जैसे कई कारणों से न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है तो वहीं दूसरी ओर न्यायाधीशों व न्यायिक कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ता जा रहा है। न्याय में देरी अन्याय कहलाती है लेकिन देश की न्यायिक व्यवस्था को यह विडंबना तेजी से घेरती जा रही है। प्रधानमंत्री ने जिक्र किया औपनिवेशिक दौर के पुराने पड़ चुके कानूनों की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानून लाना बड़ा कदम है। हालांकि ये कानून अभी लागू नहीं हुए हैं और इनसे जुड़े कुछ पहलुओं पर पुनर्विचार की जरूरत भी महसूस की जा रही है, लेकिन फिर भी इस कदम की अहमियत को कम करके नहीं आंका जा सकता। इस कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता शामिल थे। अनेक कानूनविद् यहां उपस्थित थे। न्याय प्रणाली में आमूल-चूल-परिवर्तन, परिवर्तन जरूरी है और उसे अधिक प्रभावी बनाने की अपेक्षा है। इसके लिये यह भी जरूरी है कि विशेष श्रेणी के मामलों के समाधान के लिये समय-सीमा तय की जानी चाहिये तथा लोक अदालतों और ग्राम न्यायालयों की स्थापना की जानी चाहिये।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुंदर सपनों का असमय टूट जाना

प्रमोद जोशी

दुर्घटनाओं में हताहतों की सूची कुछ संख्याओं और कुछ नाम और पतों की जानकारी देती है। इनसे जुड़ी कहानियां और भावनाएं छिपी रह जाती हैं। हरेक प्रभावित व्यक्ति के साथ संबंधों-संपर्कों और भावनाओं का लंबा सिलसिला होता है। एक दुर्घटना के साथ अनेक कहानियों, उपन्यासों और महाकाव्यों का अंत एक झटके में हो जाता है। इनमें से कुछ का जिक्र अखबारों और चैनलों में होता है और बहुत-सी कहानियां बगैर किसी चर्चा के खत्म हो जाती हैं। ज्यादातर के भीतर छिपी गहरी वेदना अव्यक्त रह जाती है। ज्यादा से ज्यादा एक या दो दिन हम इन्हें याद रखते हैं और फिर दुनिया आगे बढ़ जाती है। भारत के छोटे-छोटे गांवों और कस्बों के छोटे-छोटे लोगों की उम्मीदों, सपनों और दुश्वारियों की किताबें खुल रही हैं। ड्राइंग रूमों से लेकर सड़क किनारे पड़ी मचिया (मंजी) के पास रखे टीवी सेट पर उम्मीदों की टकटकी लगाए करोड़ों लोग इसमें शामिल हैं।

ऐसे में कुछ दुखभरी खबरें सुनाई पड़ती हैं, तो मन खिन्न हो जाता है। ऐसा ही कुछ अहमदाबाद में हुई विमान-दुर्घटना के बाद सुनाई पड़ रहा है। इस हादसे में बचे एकमात्र यात्री विश्वास कुमार रमेश की कहानी भी अकल्पनीय है। वे कैसे बचे, वे खुद नहीं जानते। रमेश के भाई ने बताया कि दुर्घटना के कुछ समय फोन कॉल में रमेश ने अपने परिवार से कहा, मुझे नहीं पता कि मैं कैसे जीवित हूं। दूसरी तरफ इस दुर्घटना ने तमाम सपनों को तोड़ा और घर-परिवारों में विषाद की गहरी लकीर खींच दी। ऐसी तमाम कहानियां अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के साथ खत्म हो गईं। इनमें राहत और बचाव से जुड़ी सकारात्मक कहानियां भी शामिल हैं। सेवानिवृत्ति से कुछ महीने दूर एक पायलट, ग्यारह वर्ष से अधिक अनुभव वाली एक फ्लाइट अटेंडेंट, केबिन क्रू में शामिल दो मणिपुरी लड़कियों की कहानी और पनवेल की एक युवा फ्लाइट अटेंडेंट जो अपने गांव की असंख्य युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई थी। वे उन 12 सदस्यीय चालक दल में शामिल थे, जो एयर इंडिया के इस ड्रीमलाइनर के साथ काल-कवलित हो गए।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी अहमदाबाद विमान हादसे में मौत हो गई। वे अपनी पत्नी अंजलि और बेटी से मिलने जा रहे थे। 60 वर्षीय कैप्टन सुमीत सभरवाल, विमान में सवार सबसे वरिष्ठ चालक दल

के सदस्य थे। लंबे समय से पायलट रहे सभरवाल अपने 90 वर्षीय पिता के साथ पवई के जलवायु विहार में रह रहे थे। पड़ोसियों के अनुसार, वह रिटायर होने से बस कुछ ही महीने दूर थे और उन्होंने अपने बूढ़े पिता के साथ घर पर अधिक समय बिताने की योजना बनाई थी। जलवायु विहार के एक पड़ोसी ने बताया, वे बहुत ही रिजर्व रहने वाले और अनुशासित व्यक्ति थे। हम अक्सर उन्हें वर्दी में आते-जाते देखते थे। उनकी मौत से न केवल उनके परिवार बल्कि पवई के आवासीय समुदाय को भी सदमा लगा है, जहां वे कई सालों से रह रहे थे। महाराष्ट्र के बदलापुर के दीपक पाठक विमान के फ्लाइट असिस्टेंट थे। ग्यारह साल से भी ज्यादा समय से एयरलाइन के समर्पित कर्मचारी दीपक किसी भी उड़ान से पहले घर पर फोन करना नहीं भूलते थे। उन्होंने गुरुवार को भी ऐसा ही किया। इस त्रासदी ने पाठक परिवार के साथ-साथ बदलापुर के बड़े समुदाय को भी बहुत दुखी कर दिया, जो उन्हें एक सज्जन व्यक्ति के रूप में जानते थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किसी ने एक सेल्फी प्रकाशित की है, जिसे करीब पौने दो करोड़ बार देखा गया है। इसमें एक युवा दंपति और उनके तीन छोटे बच्चों की मुस्कुराती तस्वीर है। यह तस्वीर राजस्थान के बांसवाड़ा के प्रतीक जोशी के परिवार की है, जो छह साल से लंदन में रह रहे थे। सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रतीक, लंबे समय से अपनी पत्नी और तीन छोटे बच्चों के लिए विदेश में जीवन बनाने का सपना देख रहे थे, जो भारत में ही रहते थे। कई साल तक की औपचारिकताओं के बाद आखिरकार उनका सपना सच होने जा रहा था।

दुर्घटना के दो दिन पहले, उनकी पत्नी, डॉ. कोमी व्यास ने, जो उदयपुर की चिकित्सक थीं, अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया। बैग-पैक के साथ पांच लोगों का यह परिवार एक नए भविष्य को संजोए लंदन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट 171 में सवार हुआ। उन्होंने एक सेल्फी क्लिक की। इसे रिश्तेदारों को भेजा। यही सेल्फी सोशल मीडिया में अब वायरल है। एक नई जिंदगी की वह यात्रा पूरी नहीं हो पाई। कुछ ही पलों में, जीवनभर के सपने राख में बदल गए। मणिपुर के थौबल शहर की 21 वर्षीय नगनथोई शर्मा कोंगब्राइलात्पम 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान में केबिन क्रू की सदस्य थी।

पर्यावरण अनुकूल धान की सीधी बिजाई को प्रोत्साहन जरूरी

डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर

रोपाई विधि से धान की खेती ने भूजल संकट और वायु प्रदूषण बढ़ाया, जिससे पर्यावरण हितैषी सीधी बिजाई तकनीक उपेक्षित रही। इसकी प्रमुख वजह रही नीति-कार्यक्रमों में त्वरित समाधान और लालफीताशाही। वर्ष 2022-23 में हरियाणा में 16 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की खेती से 59 लाख टन उत्पादन हुआ। कृषि मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024 में 50,540 किसानों ने 1.80 लाख एकड़ भूमि पर बिजाई तकनीक अपनाई, जबकि लक्ष्य 3 लाख एकड़ था। वर्ष 2025 के लिए 4 लाख एकड़ लक्ष्य तय किया है, जिसमें प्रति एकड़ 4,500 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वर्ष 1968 तक प्रदेश के किसान पारंपरिक, पर्यावरण हितैषी सीधी बिजाई विधि से धान उगाते थे। परंतु हरित क्रांति के दौरान नीति नियंताओं ने हरियाणा जैसे राज्य में भी भूजल-बर्बादी वाली रोपाई विधि थोप दी। नतीजन गंभीर भूजल संकट पैदा हुआ और आज प्रदेश के अधिकांश ब्लॉक भूजल संकटग्रस्त 'ग्रे जोन' में हैं।

भूजल संकट के त्वरित समाधान के लिए गैर-तकनीकी नीतिकारों ने हरियाणा प्रिजर्वेशन ऑफ सबसॉयल ग्राउंड वॉटर एक्ट-2009 बनाकर, धान रोपाई 15 जून से पहले करने पर कानूनी रोक लगा दी। जिसके चलते धान फसल देरी से पकने के कारण कटाई भी देरी से यानी 15 अक्टूबर के बाद होने लगी। इससे अगली फसल आलू, सरसों, गेहूं आदि की बुआई की तैयारी के लिए कम समय मिला तो किसान पराली जलाने को मजबूर हुए। यह वायु प्रदूषण का कारण बन गया। हर साल अक्टूबर से दिसंबर में, सरकार, सर्वोच्च न्यायालय और प्रसार माध्यमों में तरह-तरह के अव्यावहारिक समाधानों के साथ खूब चर्चा होती है। जबकि कम अवधि वाली धान किस्मों के साथ सीधी बिजाई तकनीक प्रदूषण रोकने का टिकाऊ समाधान है। जिससे धान फसल कटाई और अगली फसल बुआई में 30-40 दिन मिलते हैं।

पराली खेत में दबाकर बिना जलाये उसका प्रबंधन संभव है। खासकर, गैर-तकनीकी नीतिकारों ने पिछले एक दशक में पराली प्रबंधन के लिए अव्यावहारिक एक्स सीटू समाधान (पराली के बंडल बनाकर कारखानों तक पहुंचाना) पर करीब दस हजार करोड़ रुपये की बर्बादी की है। जबकि धान कटाई से अगली फसल की बुआई की 10-20 दिन की कम अवधि में भारी मात्रा में उपलब्ध धान पराली का एक्स सीटू प्रबंधन तकनीकी तौर पर लगभग असम्भव है। इसके विपरीत, पराली प्रबंधन के लिए कंबाइन हार्वेस्टर में सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम अनिवार्य करना और पराली दबाकर खाद बनाना किसान व पर्यावरण हितैषी हल है। धान रोपाई विधि से उत्पन्न गंभीर भूजल संकट से निपटने के लिए, नीति नियंता अब सीधी बिजाई विधि पर वापस लौटने को किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। बिजाई विधि में लगभग 30 प्रतिशत भूजल सिंचाई, लागत, बिजली, ऊर्जा, श्रम की बचत के साथ रोपाई धान के ही बराबर ही पैदावार होती है। सीधी बिजाई ग्रीन हाउस गैस के कम उत्सर्जन और रोपाई के मुक़ाबले 10-15 दिन पहले पकने से पराली प्रबंधन में भी सहायक सिद्ध हुई है।

भूजल संरक्षण योजना के अंतर्गत हरियाणा सरकार ने आगामी धान सीजन खरीफ-2025 के लिए 4500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन पैकेज दिया है व प्रदेश के लगभग 10 प्रतिशत धान क्षेत्र पर सीधी बिजाई का लक्ष्य है। पराली प्रबंधन के लिए 1200 रुपये एकड़ प्रोत्साहन की घोषणा की है। लेकिन इस योजना की कामयाबी के लिए विभागीय स्तर पर बेहतर कार्यशैली की दरकार है। धान की सीधी बिजाई का सही समय 20 मई से 5 जून होता है। बेहतर है कि सीधी बिजाई धान प्रोत्साहन योजना के विज्ञापन समय पर प्रकाशित हों। पिछले वर्ष इन योजनाओं को अपनाने वाले किसानों के करोड़ों रुपये अभी तक जारी नहीं किये हैं। योजना की कामयाबी के लिए किसानों का सरकारी योजनाओं में विश्वास बनाने के उपाय जरूरी हैं। पिछले वर्ष सीधी बिजाई धान योजना में प्रोत्साहन पैकेज के करोड़ रूपये और पराली प्रबंधन योजना की राशि अभी तक किसानों को नहीं मिली। ऐसे में इस वर्ष किसानों की इन योजनाओं में कम रुचि स्वाभाविक है। ज्ञात रहे, भूजल बर्बादी वाली रोपाई धान पर रोक लगाने और पराली दहन से हो रहे प्रदूषण को रोकने के नाम पर, कृषि विभाग पिछले 15 वर्षों से 7,000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन पैकेज के साथ अव्यावहारिक फसल विविधीकरण और एक्स सीटू पराली प्रबंधन के लिए हजारों करोड़ रुपये वार्षिक बर्बाद कर रहा है।

जबकि इस दौरान हरियाणा में धान का क्षेत्र लगातार बढ़ता जा रहा है। जो राज्य कृषि विभाग की इन योजनाओं की व्यावहारिकता पर बड़ा सवाल है। बता दें कि हरियाणा की मौजूदा भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों में खरीफ सीजन में लगभग 70 प्रतिशत भूभाग में जलभराव होने से, धान की खेती ही सबसे उपयुक्त और किसान हितैषी है। केंद्रीय कृषि लागत एवं मूल्य आयोग के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी क्षेत्र के लिए गन्ने के बाद धान-गेहूं चक्र ही सबसे लाभदायक है। विविधीकरण अपनाने की सलाह व्यावहारिक नहीं। जरूरी है कि सरकार भूजल संरक्षण योजनाओं के लिए विभागीय कार्यशैली किसान हितैषी बनाकर और रोपाई पर प्रतिबंध लगाकर सीधी बिजाई धान को प्रोत्साहित करे। जिससे हरियाणा में धान की खेती पहले की तरह से टिकाऊ बन सके।

गोलगप्पे का घर पर ऐसे बनाएं चटपटा पानी

गोलगप्पे, पानी पुरी, चटपटे पानी बताशे... नाम तो सुना होगा? भले ही नाम अलग-अलग हैं लेकिन ये एक ऐसा स्ट्रीट फूड है जो लगभग पूरे देश में मिलता है और अधिकतर लोगों के बीच प्रिय है। गोलगप्पे का ऐसा क्रेज है कि इसे खाते खाते पेट तो भर जाता है लेकिन मन नहीं भरता। गली-गली में मिलने वाले इस स्ट्रीट फूड को लोग खाना तो पसंद करते हैं लेकिन अक्सर हाइजीन के कारण मन होते हुए भी सेवन से परहेज करते हैं। लेकिन स्वच्छता के साथ घर पर आसानी से गोलगप्पे बनाकर खा सकते हैं। बाजार में रेडीमेड गोलगप्पे भी मिल जाते हैं। आपको घर पर सिर्फ गोलगप्पे का चटपटा पानी तैयार करना होता है। लेकिन समस्या ये है कि बाजार जैसे स्वाद वाला गोलगप्पे का पानी बनाना नहीं आता है?

सामग्री

पुदीना, धनिया, अदरक, हरी मिर्च, इमली का पानी या आम की सूखी खटाई, भुना जीरा, लाल मिर्च पाउडर,चाट मसाला, नींबू का रस, हींग, नमक और पानी।

विधि

गोलगप्पे का पानी बनाने के लिए पुदीना, धनिया, हरी मिर्च और अदरक के टुकड़े को एक साथ मिलाकर अच्छी तरह से पीस लें। स्वच्छ पानी में भुना जीरा, काला नमक, लाल मिर्च पाउडर, हींग, चाट मसाला मिलाएं। अब इसमें आधा नींबू का रस मिलाएं। साथ ही इमली का पानी या आम की खटाई का पानी भी मिलाएं। पिसी हुई सामग्री को पानी डालकर अच्छे से मिला लें। खट्टा-मीठा स्वादिष्ट गोलगप्पे का पानी तैयार हैं। चाहें तो पानी में थोड़ी सी बूंदी भी मिला सकते हैं।

तिब्बत का लाफिंग शीट युवाओं की पहली पसंद बन रहा है

एक समय था जब स्नैक्स में लोग समोसा, टिक्की, बताशे और चाट खाना पसंद करते थे। पर बात करें युवाओं की तो आज-कल के युवाओं का रुझान अलग-अलग खानों की तरफ हो गया है। अब लोगों तो नेपाल और तिब्बत के लोकल फूड ज्यादा पसंद आते हैं। ऐसे पकवान खाने में काफी मजेदार होते है। इनमें से एक लाफिंग शीट है जोकि तिब्बत का पारंपरिक डिश है। ये खाने में काफी तीखी होती है। खासबात ये है कि अभी ज्यादा जगहों पर नहीं मिलती है। ऐसे में यदि आपने ये कभी नहीं खाई है तो इसे एक बार घर पर तैयार करें।

सामान

मैदा-1 कप, हल्दी पानी- 2 कप, सोया सॉस- 1 टेबलस्पून, वाई-वाई नूडल्स, लाल मिर्च एक दम बारीक कुटी हुई- 1 टीस्पून, सिरका- 1 टीस्पून, लहसुन पेस्ट- 1 टीस्पून, तिल- 1 टीस्पून, नमक- स्वादानुसार, चाट मसाला - ½ टीस्पून, काला नमक- ½ टीस्पून।

विधि

अब सबसे पहले जानते हैं कि लाफिंग शीट कैसे तैयार की जाए। इसके लिए सबसे पहले को मैदा में थोड़ा नमक और हल्दी मिलाएं और पानी डालकर पतला घोल तैयार करें। अब अब इस घोल को एक नॉन-स्टिक पैन में डालें और पतली लेयर में फैलाएं। इसे आप चिकनी थाली में भी बैटर फैला सकते हैं। थाली में बैटर डालने के बाद इसे स्टीमर में रखें और स्टीमर को ढककर 1-2 मिनट तक पकाएं। जैसे ही वह पारदर्शी दिखने लगे, उसे उतार लें और किसी चिकनी सतह पर रख दें। अब इसे थोड़ी के लिए ऐसे ही ठंडा होने दें। जब तक ये ठंडी हो रही है तब तक इसकी फिलिंग तैयार कर लें। फिलिंग तैयार करने के लिए एक कटोरे में सोया सॉस, लाल मिर्च पाउडर, लहसुन पेस्ट, सिरका, चाट मसाला, काला नमक डालकर उसे मिक्स कर लें। अब तैयार करना है लाफिंग रोल। तो उसके लिए लाफिंग शीट को चॉपिंग बोर्ड पर रखकर उसमें मसाला फैलाएं। पूरी तरह से मसाला लगाने के बाद उसमें वाई-वाई नूडल्स रखें और फिर लाफिंग को रोल करें। रोल करने के बाद इसे छोटा-छोटा काट लें और फिर सर्व करें। ये खाने में स्वादिष्ट के साथ-साथ तीखी भी होती है।

हंसना मना है

गर्लफ्रेंड: मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आये हो, पप्पू: चल पगली, कुछ भी हो मैं शादी तुमसे ही करूंगा.. आंटी से कहना वो मुझे भूल जाएं।

नजरें आज भी उस हरामखोर को ढूंढ रही हैं, जिसने कहा था बुक के बीच में मोर पंख रखने से विद्या आती है।

बॉस ने जोक सुनाया तो पूरी टीम हंसने लगी, बस एक लड़का नहीं हंसा...बॉस ने पूछा- क्या तुम्हें मेरा जोक समझ नहीं आया? लड़का- सर, मेरा सलेक्शन दूसरी कंपनी में हो गया है...

जज- घर में मालिक के रहते हुए तुमने चोरी कैसे की? गोलू- जज साहब आपकी अच्छी नौकरी है, अच्छी सैलरी है। फिर आप ये सब सीख कर क्या करोगे...?

गोलू - मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं। पड़ोसी- कितना कमा लेते हो? गोलू- 20 हजार। पड़ोसी- मैं अपनी बेटी को 15 हजार पॉकेट मनी देता हूं। गोलू- मैं भी तो उसी को जोड़कर ही तो बता रहा हूं...

कहानी — मेंढक और चूहा

घने जंगल में एक छोटा-सा जलाशय था। उसमें एक मेंढक रहा करता था। उसे एक दोस्त की तलाश थी। एक दिन उसी जलाशय के पास के एक पेड़ के नीचे से चूहा निकला। चूहे ने मेंढक को दुखी देखकर उससे पूछा, दोस्त क्या बात है तुम बहुत उदास लग रहे हो। मेंढक ने कहा कि मेरा कोई दोस्त नहीं है, जिससे मैं ढेर सारी बातें कर सकूं। अपना सुख-दुख बताऊं।' इतना सुनते ही चूहे ने उछलते हुए जवाब दिया कि अरे! आज से तुम मुझे अपना दोस्त समझो, मैं तुम्हारे साथ हर वक्त रहूंगा।' इतना सुनते ही मेंढक बेहद खुश हुआ। दोनों घंटों एक दूसरे से बातें करने लगे। दोनों के बीच की दोस्ती दिनों-दिन काफी गहरी होती गई। होते-होते मेंढक के मन में हुआ कि मैं तो अक्सर चूहे के बिल में उससे बातें करने जाता हूं, लेकिन चूहा मेरे जलाशय में कभी नहीं आता। ये सोचते-सोचते चालाक मेंढक ने चूहे से कहा, 'दोस्त हमारी मित्रता बहुत गहरी हो गई है। अब हमें कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे एक दूसरों की याद आते ही हमें आभास हो जाए।' चूहे ने हामी भरते हुए कहा, 'हां जरूर, दुष्ट मेंढक फटाक से बोला, 'एक रस्सी से तुम्हारी पूंछ और मेरा एक पैर बांध दिया जाए, तो जैसे ही हमें एक दूसरे की याद आएगी तो हम उसे खींच लेंगे, जिससे हमें पता चल जाएगा।' भोला चूहा एकदम इसके लिए राजी हो गया। मेंढक ने जल्दी-जल्दी अपने पैर और चूहे की पूंछ को बांध दिया। इसके बाद मेंढक ने एकदम पानी में छलांग लगा ली। मेंढक खुश था, क्योंकि उसकी तरकीब काम कर गई। वहीं, जमीन पर रहने वाले चूहे की पानी में हालत खराब हो गई। कुछ देर छटपटाने के बाद चूहा मर गया। बाज आसमान में उड़ते हुए यह सब देख रहा था। उसने जैसे ही पानी में चूहे को तैरते हुए देखा तो बाज तुरंत उसे मुंह में दबाकर उड़ गया। दुष्ट मेंढक भी चूहे से बंधा हुआ था, इसलिए वो भी बाज के चंगुल में फंस गया। वो सोचने लगा आखिर वो आसमान में उड़ कैसे रहा है। जैसे ही उसने ऊपर देखा तो बाज को देखकर वो सहम गया। वो भगवान से अपनी जान की भीख मांगने लगा, लेकिन चूहे के साथ-साथ बाज उसे भी खा गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य में विलंब होगा।

मिथुन — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क — कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

सिंह — कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

तुला — जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक — आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

धनु — भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

मकर — आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दुःखद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

कुम्भ — पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। सुख के साधन जुटेंगे।

मीन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

हर दिन आपकी याद आती है पापा: संजय दत्त

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने आज खास तौर पर फादर्स डे पर अपने दिवंगत पिता सुनील दत्त को याद करते हुए सोशल मीडिया पर उनकी कई तस्वीरें शेयर की और साथ ही एक इमोशनल नोट भी लिखा है। संजय दत्त ने पिता सुनील को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर उनकी दो बेहतरीन तस्वीरें शेयर कीं। इसमें से एक तस्वीर ब्लैक एंड वाइट है और दूसरी तस्वीर रंगीन है। इन तस्वीरों के साथ संजय ने कैप्शन में लिखा, आप मेरे पहले हीरो थे। मेरे निरंतर मार्गदर्शक। हर तूफान में मेरा धैर्य। हर दिन आपकी याद आती है, पापा। हैप्पी फादर्स डे। संजय दत्त की इस भावात्मक पोस्ट पर बॉलीवुड एक्टर अनील कपूर ने काले दिल वाला इमोजी बनाया है। वहीं कई फैंस ने फायर और लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। एक फैन ने लिखा, संजू बाबा के बॉस, एक और फैन ने लिखा, अच्छा हीरो ही सब कुछ है, एक और फैन ने लिखा, गोल्डन हार्ट वाले महान इंसान लीजेंड श्री सुनील दत्त साहब, एक और फैन ने लिखा, हैप्पी फादर्स डे, संजू बाबा और सुनील दादा, एक और फैन ने लिखा, मुझे दत्त साहब बहुत पसंद हैं। बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त इन दिनों अपनी फिल्म हाइसफुल 5 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में संजय दत्त के अलावा अभिषेक बच्चन, अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, फरदीन खान, श्रेयस तलपदे, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डीनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह, सोनम बाजवा, सौन्दर्या शर्मा, चंकी पांडे और जॉनी लीवर जैसे कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म को तरुण मनसुखानी ने सह-लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने अपने प्रोडक्शन बैनर, नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत किया है। यह हाउसफुल फिल्म की पांचवीं किस्त है। हाउसफुल 5 से पहले संजय हॉरर-कॉमेडी फिल्म द भूतनी में नजर आए थे। इस फिल्म में संजय के अलावा मौनी रॉय, पलक तिवारी और सनी सिंह ने भी अहम भूमिका निभाई थी।

मुझे मुस्लिम-हिंदुस्तानी होने पर गर्व : आमिर

पहलगाम हमले पर अभिनेता बोले- आतंकवादियों ने जो किया वो मजहब के खिलाफ है

आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' 20 जून को रिलीज होगी, इस फिल्म में आमिर खान एक कोच के रोल में नजर आ रहे हैं, जो स्पेशल चाइल्ड की एक बॉस्केटबॉल टीम को ट्रेनिंग देते हैं। इन दिनों आमिर खान अपनी इस फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। एक हालिया इंटरव्यू में आमिर खान ने कई बड़े और गंभीर मुद्दों पर बातचीत की है। आमिर खान से पहलगाम हमले को लेकर सवाल किए गए। इस पर वह कहते हैं, 'मैं मुस्लिम हूं, मुझे मुस्लिम होने पर गर्व है। मैं हिंदुस्तानी हूं, मुझे इस बात का भी बड़ा गर्व है। ये दोनों बातें अपनी जगह सही हैं।' आमिर खान पहलगाम आतंकी हमले पर आगे कहते हैं, 'कोई भी मजहब हमें निर्दोष लोगों को मारना नहीं सिखाता। ये आतंकवादी जो कर रहे हैं, मैं उन्हें इस्लामी नहीं मानता। वास्तव में, मैं उन्हें मुसलमान भी नहीं मानता। इस्लाम साफ तौर से कहता है कि आप किसी निर्दोष व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचा सकते हैं। आप महिलाओं या बच्चों के खिलाफ हाथ नहीं उठा सकते हैं। ये सभी सिद्धांत हमारे मजहब का हिस्सा हैं। ये आतंकी जो कर रहे हैं वह मजहब के खिलाफ है, वे गलत कर रहे हैं।' हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, इसमें आतंकवादियों ने एक धर्म विशेष के लोगों को नाम पूछकर मारा था। इसी बात को लेकर ही आमिर खान ने आतंकवादियों का विरोध किया है। वह इस घटना को लेकर काफी दुखी हैं। इन आतंकवादियों का कनेक्शन पाकिस्तान से था। जिसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर को आमिर खान ने सराहा है। आमिर खान 'सितारे जमीन पर' के अलावा कुछ और फिल्में भी कर रहे हैं। जिसमें रजनीकांत की 'कुली' शामिल है, इसमें आमिर खान कैमियो करेंगे। वह फिल्म 'लाहौर1947' भी कर रहे हैं, इसमें सनी देओल भी नजर आएंगे।

अपूर्वा से उर्फी बोलीं- मैं तुम्हारे लेवल से बहुत ऊपर हूं

करण जौहर का रियलटी शो द ट्रेटर्स चर्चा में बना हुआ है। शो के दौरान ही दो कंटेस्टेंट इंफ्लुएंसर अपूर्वा मुखीजा और उर्फी जावेद के बीच तीखी बहस हो गई थी। इससे दोनों के बीच तनाव इतना बढ़ गया कि ऑफ कैमरा पर भी इनकी बहस हुई, जिसका जिक्र अपूर्वा ने अपने व्लॉग में किया है। साथ ही उन्होंने उर्फी पर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। इंफ्लुएंसर अपूर्वा मुखीजा ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो के माध्यम से बताया कि उर्फी ने शो के बाद भी अन्य कंटेस्टेंट के सामने उनका अपमान किया था, जिससे वह रोने लगी थी। उन्होंने बताया कि 'द ट्रेटर्स' में शामिल होने से पहले, उर्फी की अपनी मां से लड़ाई हुई थी और उन्हें शो के दौरान घर पर तीन फोन कॉल करने की इजाजत थी। हालांकि, जब उन्होंने घर पर कॉल करने का अनुरोध किया, तो शो के मेकर्स ने इससे इनकार कर दिया, जिससे वह इमोशनल हो गईं। इसके बाद जन्नत जुबैर ने उर्फी को सांत्वना दी, वहीं अपूर्वा ने इस पूरी बात को प्राइवेट रखने को कहा। इसपर ऊर्फी ने उनसे सवाल किया, तो अपूर्वा ने कहा, 'सब कुछ तुम्हारे बारे में नहीं है, ऊर्फी।'वीडियो में आगे अपूर्वा मुखीजा ने बताया कि शो के बाद उर्फी ने उन्हें आपत्तिजनक शब्दों के जरिए अपने पास बुलाया। इसके बावजूद इंफ्लुएंसर ने आराम से जवाब दिया। हालांकि, इसके बाद उर्फी जावेद ने कहा, 'तुम्हें पता है तुम किससे बात कर रही हो? मैं तुम्हारे लेवल से बहुत ऊपर हूं, तुम्हारी औकात नहीं है मुझसे बात करने की।''द ट्रेटर्स' एक थ्रिलर बेस्ड रियलिटी शो है जिसे करण जौहर होस्ट कर रहे हैं। इस शो में 20 कंटेस्टेंट्स को दो ग्रुप्स में बांटा गया है- 'ट्रेटर्स' और 'फेथफुल'। शो एक तरह की मर्डर मिस्ट्री है जिसमें भरोसे और धोखे का खेल चलता है। 12 जून को अमेजन प्राइम वी डियो पर रिलीज हुए इस शो में उर्फी जावेद, अपूर्वा मुखिजा, अंशुला कपूर और रफ्तार जैसे चर्चित नाम शामिल हैं।

लड़की का सूट बैंड वालों की ड्रेस से हुआ मैच तो उसने खिंचवाई उनके साथ फोटो

आमतौर पर शादी में ड्रेस का मैच हो जाना मूड खराब कर देता है। पर कशिश नाम की लड़की ने तो एक अलग ही मिसाल पेश कर दी। उसकी ड्रेस शादी में बैंड वालों से मैच हो गई, लेकिन वह दुखी होने के बजाय गर्व से उनके साथ फोटो खिंचवाई। शादी में किसी से भी आपकी ड्रेस मैच हो जाए तो क्या आप खुश हो जाएंगे या आप उदास हो जाएंगे या फिर आप ये दुआ करेंगे कि काश आपको ड्रेस बदलने का मौका मिल जाए। अधिकांश लोगों का आखिरी वाला ही रिएक्शन होगा। ऐसा महिलाओं के साथ अधिक होगा। क्या कोई इस बात पर खुश भी होगा और इस पर गर्व भी कर सकेगा? लेकिन एक वायरल वीडियो में एक लड़की के साथ ऐसा ही हुआ। उसकी ड्रेस का रंग किसी और से नहीं बल्कि बैड बजाने वालों की ड्रेस के साथ हूबहू मेल खा गया। लेकिन इससे वह दुखी नहीं हुई बल्कि उसने बैंड वालों के साथ फोटो खिंचवाई और अपना वीडियो भी शेयर किया जो वायरल हो गया। किसी लड़की के लिए ये बहुत आम सा बर्ताव नहीं हैं। लेकिन कशिश नाम की इस लड़की इस मिथ को तोड़ ही दिया। कहा जाता है कि बाजार में या पब्लिक प्लेस में कहीं दो लड़कों की शर्ट या कपड़े मैचिंग के दिख जाएं तो वे खुश होते हैं मुस्कुराते हैं, या हंसते हैं। लेकिन लड़कियों और महिलाओं को यह अच्छा नहीं लगता है और लगे भी क्यों ना वे इतने जतन से अपनी ड्रेस का चुनाव जो करती हैं। पर वीडियो हम देखते है कि जब कशिश का दोस्त उसका ध्यान इस बात पर दिलाता है कि उसकी ड्रेस बैंड वालों से मैच कर रही है, तो कशिश का रिएक्शन अलग ही होता है। पहले तो कशिश को शर्म आ जाती है। लेकिन इसके बाद हम एक बहुत ही चौंकाने वाली बात देखते हैं। वीडियो में कशिश बैंड वालों के साथ तस्वीर भी खिचवाती दिखती है। इतना ही नहीं वह इसी वीडियो को अपने ही अकाउंट पर शेयर भी करती है. इस दौरान वह बिलकुल भी दुखी नज़र नहीं आती है बल्कि गर्व से फोटो खिंचवाती दिखती है. वीडियो को कशिश ने अपने अकाउंट से इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जिसे अब तक 39 लाख व्यूज़ मिल चुके हैं। उसने कैप्शन में लिखा भी है, कभी कभी ऐसा भी होता है। कई लोगों ने कशिश के गर्वीले बर्ताव की तारीफ की है।

अजब-गजब | बॉडी बनाने के चक्कर में हाथ में सूई से घुसेड़ा तेल

अब हाथ कटवाने पहुंचा हॉस्पिटल!

आजकल के युवाओं में बॉडी बनाने का जुनून कुछ ज्यादा ही है। वे दिन-रात जिम में बिताते हैं और अपने शरीर को सुडौल बनाते हैं। कुछ युवा जल्दबाजी के चक्कर में बॉडी बनाने के लिए प्रोटीन पाउडर का बेतहाशा सेवन करते हैं, तो कुछ लोग शॉर्टकट में ही मशल्स बनाने में जुट जाते हैं। ऐसा ही कुछ रूस के रहने वाले सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर 28 साल के किरिल तेरेशिन ने किया। किरिल ने अपने बाइसेप्स बढ़ाने के लिए जो किया, वो चौंकाने वाला है। किरिल ने अपने हाथ में सूई से तेल घुसेड़ लिया, लेकिन अब उनकी ऐसी दुर्गति हो गई कि हाथ काटने की नौबत आ गई है। फिलहाल वो हॉस्पिटल में भर्ती हैं, जहां उनके हाथ से बाइसेप्स को काटकर हटाया जाएगा। किरिल को रूसी मीडिया में 'रुकी बाजूका' या 'बाजूका आर्म्स' के नाम से जाना जाता है। शुरुआत में किरिल को ऐसा करके बहुत मजा आया। उन्होंने अपने विशाल, कृत्रिम बाइसेप्स को सोशल मीडिया पर खूब प्रदर्शित किया। लेकिन उन्हें देखने के बाद डॉक्टरों ने चेताया कि इस वजह से उनके हाथ को काटना पड़ सकता है। इसके बावजूद किरिल को कोई फर्क नहीं पड़ा। लेकिन अब उनकी यह खतरनाक हरकत उन्हें भारी पड़ गई है। किरिल तेरेशिन ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनकी एक बांह पर रिसती हुई पट्टी बंधी दिख रही थी। तस्वीर में उनके पीछे अस्पताल का बिस्तर और चिकित्सा उपकरण भी नजर आ रहे थे। पोस्ट का कैप्शन था, बाइसेप्स हटाने की सर्जरी। इसके अलावा उनकी छाती पर एक अजीब एलियन टैटू भी दिखाई दे रहा था। ऐसा लगता है कि तेरेशिन ने आखिरकार अपने प्रशंसकों, दोस्तों और परिवार की चेतावनियों को सुन लिया, जिन्होंने उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई थी। बता दें कि साल 2017 में जब किरिल ने इस कारनामे को अंजाम दिया था, तब उनकी मां इरीना ने रूसी टीवी पर कहा था कि वह अपने बेटे के इस परिवर्तन के सख्त खिलाफ हैं। उन्होंने किरिल को ऑनलाइन गिनी पिग कहकर पुकारा था। इसके बाद साल 2018 में रूसी डॉक्टर एवगेनी लिलिन ने चेतावनी दी थी कि तेरेशिन को भविष्य में अपनी बांह कटवानी पड़ सकती है। उन्होंने कहा, यह तुरंत नहीं होगा, लेकिन भविष्य में फोड़े, सूजन और यहां तक कि स्ट्रोक का खतरा है। तेरेशिन ने पहले भी अपनी ट्राइसेप्स से मृत ऊतकों और अतिरिक्त तरल पदार्थ को हटाने के लिए सर्जरी करवाई थी। पिछले हफ्ते की शुरुआत में अस्पताल की तस्वीर के बाद तेरेशिन ने एक और इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर किया, जिसमें उनकी बांहें थोड़ी छोटी, लेकिन अभी भी असामान्य दिख रही थीं। वह अपनी बांहों को हिलाते हुए नजर आए। किरिल के पोस्ट पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। ज्यादातर लोग उनके इस हरकत के खिलाफ हैं। पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, मुझे उनके लिए जरा भी सहानुभूति नहीं हैज पैसे, क्या किसी को आश्चर्य हुआ? वहीं, एक प्रशंसक ने सकारात्मक संदेश देते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि आपकी सर्जरी सफल होगी और आप जल्द ठीक होंगे। बता दें कि रूसी सेना में सैनिक रह चुके किरिल तेरेशिन ने स्वीकार किया कि उनके स्वास्थ्य की समस्याएं उनकी अपनी मूर्खता के कारण हुईं। उन्होंने 20 साल की उम्र में अपनी बाइसेप्स को बढ़ाने के लिए तेल वाले इंजेक्शन लेने शुरू किए थे, जिसके परिणामस्वरूप उनके बाइसेप्स 23 इंच तक बढ़ गए थे।

राहत : देश में घट रहे हैं कोविड के मामले

» देशभर में एक्टिव केस घटकर 7 हजार से आ चुके हैं नीचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोविड-19 संक्रमण के नए वैरिएंट की रफ्तार थमने से भारत को बड़ी राहत मिली है। लगातार तीसरे दिन भारत में कोविड संक्रमण के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के बाद देशभर में एक्टिव केस घटकर 7 हजार से नीचे आ चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने ये नए आंकड़े जारी किए हैं। कोविड संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने 17 जून, सुबह 8 बजे तक के आंकड़े जारी किए। मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में एक ही दिन में संक्रमण के 428 केस कम हुए हैं।

कुछ राज्यों में हुई कोरोना के मामलों में बढ़ोत्तरी

कुछ ऐसे राज्य भी हैं, जहां कोरोना के मामलों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है। इसमें कर्नाटक में सबसे ज्यादा 105 नए मामले दर्ज हुए हैं। राजस्थान में 29 लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि हरियाणा में 12 और पंजाब में 10 लोग कोविड की चपेट में आए हैं। इसके अलावा मणिपुर में 6, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में 3-3, ओडिशा-त्रिपुरा और तमिलनाडु में 2-2, झारखंड-लद्दाख-नागालैंड और उत्तराखंड में एक-एक मामला सामने आया है। पिछले 24 घंटों में संक्रमण के कारण पूरे देश में एक मौत दर्ज हुई है। महाराष्ट्र की रहने वाली 44 साल की एक महिला ने कोविड संक्रमण के कारण अपनी जान गंवाई है।

इससे अब कोविड के एक्टिव मामलों की संख्या घटकर 6836 हो चुकी है। सोमवार को संक्रमण के मामलों में 119 की गिरावट दर्ज हुई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में केरल में सबसे ज्यादा 261 मामले कम हुए। इसके अलावा गुजरात में 185, दिल्ली में 94, महाराष्ट्र में 28, आंध्र प्रदेश में 18, सिक्किम में 13, असम में 3, तेलंगाना-बिहार-छत्तीसगढ़ और गोवा में एक-एक घटे हैं। इस गिरावट के बाद केरल में कुल मामलों की संख्या अब 1659 बची है। गुजरात में फिलहाल एक्टिव केस 1248, कर्नाटक में 696, दिल्ली में 555, महाराष्ट्र में 512, उत्तर प्रदेश में 278, राजस्थान में 251, तमिलनाडु में 222, हरियाणा में 103 हैं।

कनाडा की संसद में पीएम मोदी का हुआ अपमान : संजय राउत

» बोले- प्रधानमंत्री को नहीं जाना चाहिए था कनाडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा को लेकर सवाल उठाए हैं। दरअसल, पीएम मोदी जी7 समिट में शामिल होने कनाडा के कनानास्किस पहुंचे हैं। यह एक दशक में उनकी पहली कनाडा यात्रा है। जी-7 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं के साथ चर्चा ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहित महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर केंद्रित होगी।

पीएम मोदी की कनाडा यात्रा को लेकर राउत ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, 'आजकल जी 7 को कौन पूछता है? जी7 में पीएम मोदी गए हुए हैं, उन्हें पहले नहीं बुलाया गया था, वह वेटिंग में थे। बाद में उन्हें बुलाया गया, जिसका कनाडा की संसद में विरोध हुआ। कनाडा की कैबिनेट ने भारतीय प्रधानमंत्री को अपमानित किया और हमारे प्रधानमंत्री वहां चले गए। ये देश का अपमान है।' उन्होंने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री को कनाडा नहीं जाना चाहिए था। पीएम ने वहां जाकर क्या किया है, कौन सी भूमिका निभाई है? कनाडा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप थे, क्या पीएम मोदी ने उनसे पूछा कि आपने कैसे कहा कि भारत-पाकिस्तान का युद्ध रुकवाया, अब मेरे सामने बताइए क्या वहां जाकर पीएम मोदी ने ये बोलने की हिम्मत दिखाई?' राउत ने कहा कि देश में लोग मर रहे हैं। पीएम मोदी के गुजरात में इतना बड़ा हादसा हो गया और अभी तक चिताएं जल रही हैं। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री का निधन हो गया और वो साइप्रस में हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के एक महीने बाद पीएम की है ये विदेश यात्रा

तीन देशों की यात्रा पर गए पीएम मोदी कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर साइप्रस से मंगलवार को कनाडा पहुंचे। 16-17 जून को होने वाली कनानास्किस सभा प्रधानमंत्री की जी7 शिखर सम्मेलन में लगातार छठी भागीदारी है। वे सम्मेलन के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। यह सम्मेलन भारत के ऑपरेशन सिंदूर के एक महीने बाद हो रहा है, जिसमें 22 अप्रैल को पहलगाम हमलों के प्रतिशोध में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया था।

डब्ल्यूटीसी : अब चार दिन के होंगे टेस्ट मैच

» भारत समेत तीन टीमें रहेंगी इस नियम से अपवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के आने के बाद से टेस्ट क्रिकेट का रोमांच दोगुना हो गया है। अब टीमों के बीच जीत को लेकर रोमांचक जंग देखने को मिलती है। हालांकि, इसे और रोचक बनाने के लिए आईसीसी प्लेइंग कंडीशन में बदलाव करने जा रहा है। आईसीसी 2027-29 विश्व चक्र में छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों को मंजूरी देने के लिए तैयार है, लेकिन भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमें इसमें अपवाद रहेंगी।

ये तीनों देश एक दूसरे के खिलाफ पारंपरिक पांच दिवसीय मैच खेलेंगे। मैचों की संख्या एक दिन कम करने का कदम एक महत्वपूर्ण और बड़े बदलाव की ओर इशारा कर रहा है। आईसीसी का मानना है कि इससे छोटे देशों को ज्यादा से ज्यादा टेस्ट और लंबी सीरीज खेलने में मदद मिलेगी। पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल में चर्चा के दौरान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने 2027-29 डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसकी चर्चा फाइनल के दौरान इसलिए हुई ताकि समय से इस नियम को मंजूरी मिल सके और इसके लिए नियम बनाएं जा सकें। इसमें कहा गया है, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत को तब भी एशेज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए पांच दिवसीय मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने की अनुमति होगी। एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी की शुरुआत शुक्रवार को हेडिंग्ले में इंग्लैंड और भारत के बीच पहले टेस्ट मैच के साथ होगी। आईसीसी ने पहली बार 2017 में द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए चार दिवसीय टेस्ट को मंजूरी दी थी। इंग्लैंड ने 2019 और 2023 में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट के बाद पिछले महीने ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के साथ चार दिवसीय मैच खेला था।

चेल्सी की जीत में चमके पेड्रो, दागा गोल

चेल्सी ने लॉस एंजिल्स एफसी के खिलाफ 2-0 से जीत के साथ अपने फीफा क्लब विश्व कप अभियान की शुरुआत की है। चेल्सी के स्टार पेड्रो नेटो ने मुकाबले के 39वें मिनट पर गोल दागकर चेल्सी का खाता खोलने में मदद की। मैच जीतने के बाद पेड्रो ने शुरुआती गोल के लिए निकोलस जैक्सन के पास को श्रेय दिया है। जैक्सन ने नेटो को एक बेहतरीन पास दिया जिसका फायदा उठाकर पेड्रो ने ह्यूगो लॉरिस को पीछे छोड़ते हुए गोल दागा। इस गोल ने चेल्सी को अटलांटा में एलएएफसी के खिलाफ टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में शानदार जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। जीत के बाद नेटो ने फीफा से कहा है कि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैंने टीम में कई पोजिशन पर खेला है। यह क्लब के साथ मेरा पहला साल है। मैं इस समय जिस तरह से प्रदर्शन कर रहा हूं उससे सच में खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं इसी तरह आगे भी खेलूंगा। अपने गोल के बारे में नेटो ने कहा मुझे पास के लिए निको का शुक्रिया अदा करना चाहिए। वह मेरे साथ थोड़ा मजाक कर रहे थे, क्योंकि मैंने (अपने जश्न के दौरान) उनका शुक्रिया अदा नहीं किया था इसलिए मैं अब निको का बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करूंगा।

एक और पत्नी ने जहर देकर पति को दी मौत

» छत्तीसगढ़ के गढ़वा का मामला, पत्नी को नहीं पसंद आया था पति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गढ़वा। सोनम रघुवंशी इन दिनों मीडिया की सुर्खियों में है। सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या में शामिल होने का आरोप है। वहीं अब झारखंड के गढ़वा जिले में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। युवक के परिजनों ने उसकी नवविवाहिता पर खाने में जहर मिलाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। गढ़वा जिले के रंका थाना क्षेत्र के बाहों कुंदर गांव में 22 वर्षीय बुद्धनाथ सिंह की 11 मई को शादी हुई थी। बुद्धनाथ की शादी छत्तीसगढ़ के रामचंद्रपुर थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव निवासी रघुनाथ सिंह की बेटी सुनीता से हुई थी।

पति से ही मंगवाया था कीटनाशक

बताया जाता है कि सुनीता को बुद्धनाथ पहली नजर में पसंद नहीं आया। शादी के अगले ही दिन सुनीता मायके चली गई। युवक के परिजनों और ससुराल के लोगों ने इस शादी को बनाए रखने का पूरा प्रयास किया। दोनों पक्षों के बीच पंचायती भी हुई। इसके बाद सुनीता को मायके से बुद्धनाथ विदाई करवाकर अपने घर ले आया। शनिवार को दोनों पति-पत्नी बाजार गए। सुनीता के कहने पर बुद्धनाथ ने कीटनाशक दवा खरीदा। सुनीता ने कहा कि फसलों में लग रहे कीड़े को मारने के लिए दवा की जरूरत है। उस वक्त बुद्धनाथ को कहां पता था कि जो कीटनाशक वह खरीद रहा है उसी से उसकी हत्या कर दी जाएगी।

खाने में दिया जहर

युवक के परिजनों का आरोप है कि सुनीता ने रविवार को अपने पति के खाने में जहर मिला दिया। रात में वो खाना खाकर सो गया। सुबह नहीं उठने पर मां ने पुत्र को घर में मृत पाया। तब उसने इसकी जानकारी गांववालों को दी। वहीं ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तृतक की पत्नी सुनीता देवी को हिरासत में ले लिया। बुद्धनाथ की मां राजमती का कहना है कि उसके बेटे की हत्या उसकी बहू ने की है। बहू कभी भी उसके बेटे के साथ रहना नहीं चाहती थी। समाज और परिवार के दबाव से वो ससुराल आ गई थी।

पश्चिम बंगाल में पोर्न रैकेट का मामला

आरोपियों के पास से मोबाइल बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने पोर्न रैकेट मामले में पीड़िता का मोबाइल फोन कोलकाता से सटे हावड़ा जिले के डेमूर स्थित तीन मुख्य आरोपियों के आवास से बरामद किया। इस मामले में श्वेता खान मुख्य आरोपी है। अन्य आरोपियों में उसका बेटा आर्यन खान और उसकी बेटी शामिल हैं। चूंकि तीसरी आरोपी नाबालिग है, इसलिए उसके मामले को किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्यवाही के लिए किशोर न्याय बोर्ड को भेज दिया गया है।

तीनों के खिलाफ पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की एक महिला को छह महीने तक बंधक बनाकर रखने और कथित रूप से अश्लील वीडियो शूट में शामिल होने से इनकार करने पर लोहे की रॉड से उस पर बेरहमी से हमला करने के आरोप हैं। तीनों आरोपियों के डोमजूर स्थित आवास पर छापेमारी और तलाशी अभियान के बाद मोबाइल फोन की बरामदगी की गई। एक लैपटॉप और आवास के अंदर लगा सीसीटीवी कैमरा भी छापेमारी करने वाले अधिकारियों ने जब्त कर लिया है।

आरोपों से किया इंकार

श्वेता और आर्यन दोनों ने अपने खिलाफ लगे आरोपों से इनकार किया है। मुख्य आरोपी श्वेता ने यह भी कहा कि उसे मामले में फंसाया गया है और उसने यह भी कहा कि उसकी कहानी का पक्ष भी सुना जाना चाहिए। वह फिलहाल पुलिस हिरासत में है।

विमान हादसे में 144 लोगों के डीएनए सैंपल का हुआ मिलान

» गृहमंत्री हर्ष सांघवी बोले- शवों को परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर गुजरात सरकार ने एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। राज्य के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने बताया कि हादसे में मारे गए 144 लोगों के डीएनए सैंपल का सफल मिलान कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि अब मृतकों की पहचान के आधार पर उनके परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए शव सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि यह हादसा पिछले सप्ताह हुआ था जब एक यात्री विमान लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी के कारण रनवे से फिसलकर आग की चपेट में आ गया था। हादसे में विमान पूरी तरह जलकर खाक हो गया था, जिससे शवों की शिनाख्त कर पाना बेहद कठिन हो गया था।

गुजरात के गृहमंत्री हर्ष सांघवी ने बताया कि शवों की पहचान डीएनए जांच के माध्यम से की गई। इसके लिए मृतकों और उनके परिजनों के सैंपल एकत्र कर गुजरात फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी में जांच कराई गई। सैंपल मिलान के बाद जिनकी पहचान हो चुकी है उनके शवों को नियमानुसार परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा हमने यह सुनिश्चित किया है कि शवों को सौंपते समय कोई प्रशासनिक त्रुटि न हो। प्रत्येक परिवार को पूर्ण सम्मान के साथ उनका प्रियजन वापस सौंपा जाए। हादसे के बाद राज्य सरकार ने एक उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया था, जो इस पूरे मामले की तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर जांच कर रही है। हर्ष सांघवी ने कहा कि इस हादसे से पूरा देश स्तब्ध है और सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि पीड़ित परिवारों को न्याय और सहायता मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए हवाईअड्डों की सुरक्षा व्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यापक समीक्षा की जाएगी।

फिर एयर इंडिया विमान में आयी खराबी कोलकत्ता में उतारे गये सभी यात्री

कोलकता। एयर इंडिया के विमानों मे तकनीकी खराबी आने का सिलसिला जारी है। एक बार फिर इंटरनेशनल फ्लाइट में खराबी आयी है और यात्रियों को मुंबई की जगह कोलकत्त में उतरे जाने की खबर है। सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आ गई। विमान को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस एयरपोर्ट पर उतारा गया। विमान के बाएं इंजन में दिक्कत आई। फ्लाइट एआई- 180 समय पर कोलकाता पहुंची। उतरने के बाद इंजन में खराबी आई। यात्रियों को विमान से उतार दिया गया। फ्लाइट एआई- 180 समय पर ही कोलकाता एयरपोर्ट पर उतरी। ये रात 12:45 बजे कोलकाता पहुंची। लेकिन, उतरने के तुरंत बाद ही विमान के बाएं इंजन में खराबी आ गई। इस वजह से विमान आगे नहीं जा सका। सुबह करीब 5:20 बजे विमान में घोषणा की गई कि सभी यात्री विमान से उतर जाएं। विमान के कप्तान ने यात्रियों को बताया कि यह फैसला फ्लाइट की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मतलब यात्रियों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। इंजन में खराबी की वजह से विमान को ठीक करने में समय लगेगा। इसलिए यात्रियों को उतार दिया गया। अब एयर इंडिया दूसरी फ्लाइट का इंतजाम करेगी या इंजन ठीक होने के बाद ही ये फ्लाइट मुंबई के लिए रवाना होगी।

बम की सूचना के बाद इंडिगो विमान की नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

» कोच्चि से दिल्ली जा रही थी फ्लाइट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। कोच्चि से दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान को बम की सूचना मिलने के बाद नागपुर में लैंड किया गया है। बताया जा रहा है कि विमान में बम के रखे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद विमान को नागपुर में उतारा गया है। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2706 ने कोच्चि से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। विमान को बम की धमकी के बाद नागपुर में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। पुलिस और अग्निशमन दल विमान की जांच कर रहे हैं।

विमान में बम की धमकी की सूचना मिलने के बाद नागपुर एयरपोर्ट पर पुलिस और दमकल की गाड़ियां पहुंच गई हैं और विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया है। साथ ही विमान की जांच की जा रही है। पता चला है कि विमान की थोड़ी देर पहले ही नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। विमान से अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। सभी यात्री सुरक्षित हैं। इससे पहले मंगलवार सुबह सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट को कोलकाता में खाली कराया गया था। सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट के इंजन में तकनीकी खराबी आई, जिसके कारण मंगलवार को शहर के एयरपोर्ट पर निर्धारित ठहराव के दौरान यात्रियों को विमान से उतारना पड़ा।

उत्तर प्रदेश में बरसात को लेकर अलर्ट जारी

» अगले 24 घंटे में कई जिलों में होगी भारी बारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल चुका है। प्रदेश के कई जिलों में आंधी के साथ भारी बरसात देखने को मिल रही है। साथ ही बिजली भी चमक रही है। यूपी का बदला मौसम जहां लोगों को गर्मी से राहत पहुंचा रहा है। मौसम विभाग ने आज भी प्रदेश में तेज हवाओं और बरसात को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी हिस्से और तराई वाले इलाकों में अगले 24 घंटे के दौरान मौसम खराब हो सकता है।

बादल गरज सकते हैं। बिजली चमक सकती है और बरसात की संभावना भी है। इस दौरान तेज हवाएं (40 से 50 किमी की रफ्तार से) भी चल सकती हैं। इसके अलावा 11 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। इसमें कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, रामपुर बरेली, पीलीभीत समेत आसपास के जिले शामिल हैं। वहीं प्रदेश में आंधी-पानी और बिजली लोगों के लिए जानलेवा भी साबित हो रही है। रविवार से सोमवार तक यानी 24 घंटे में 35 लोगों की मौत हो चुकी है। यूपी आपदा विभाग के अनुसार, रविवार से सोमवार तक यानी 24 घंटे में 35 लोगों की जान गई है।

अन्य घटनाओं के लिए इस्तीफा देने वाले नेताओं की सूची जारी करे भाजपा : सिद्धारमैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बंगलूरू में चार जून को हुई भगदड़ के मामले में कहा, राज्य के भाजपा नेताओं को हमारे इस्तीफे की मांग करने से पहले बीते कुछ वर्षों में हुई ऐसी अन्य घटनाओं के बाद इस्तीफा देने वाले बीजेपी नेताओं की सूची जारी करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, चिन्नास्वामी स्टेडियम के हादसे की जिम्मेदारी सरकार के रूप में हमने ली है। सिद्धारमैया ने कहा कि भगदड़ के बाद बंगलूरू शहर के पुलिस आयुक्त सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया गया है।

सरकार ईमानदारी से कराए जनगणना: मायावती

» बोलीं- जातीय जनगणना लंब समय से है लंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर जातीय जनगणना को लेकर सरकार से कहा कि जनगणना का काम देशहित में ईमानदारी से पूरा होना चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भाजपा ने केंद्र में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के बारे में जो अपार उपलब्धियां वर्णित की हैं वे जमीनी हकीकत में लोगों की गरीबी, बेरोजगारी, दुख-दर्द आदि दूर करने अर्थात जन और देशहित में कितनी लाभदायक

रही हैं सही समय आने पर जनता खुद उनका जवाब दे देगी जिसकी पूरी उम्मीद है।

मायावती ने कहा कि देश में राष्ट्रीय और जातीय जनगणना का भी कार्य कांग्रेस के समय से लटका पड़ा था जिस पर काफी आवाज उठाने के बाद अब इस मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में अब समय से ईमानदारी पूर्वक पूरा होना चाहिए। केंद्र इस पर ध्यान दे। मायावती ने कहा कि इन मामलों में पार्टी हित में इन पर पूरा ध्यान जरूरी है।

बैठक में पूर्वांचल में जनाधार को बढ़ाने के संबंध में हुई चर्चा

उन्होंने कहा कि यह अभियान मेरे द्वारा बैठकों से शुरू होकर अनवरत जारी है। ताजा बैठक पूर्वांचल में पार्टी संगठन की तैयारी और जनाधार को बढ़ाने के संबंध में हुई और सख्ती भी की गई। साथ ही, बिहार में होने वाले विधानसभा आम चुनाव से सम्बन्धित रणनीति पर भी तैयारी जारी है ताकि बेहतर रिजल्ट आ सके।

पवन खेड़ा ने जातिगत अधिसूचना पर उठाए सवाल

» बोले- एक बार भी नहीं है जाति शब्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केंद्र सरकार की तरफ से जातिगत जनगणना के संबंध में जारी अधिसूचना पर सवाल उठाया। उन्होंने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट भी किया है। साथ ही, उन्होंने तेलंगाना सरकार की तरफ से जातिगत जनगणना के संबंध में जारी अधिसूचना भी साझा कर इसकी केंद्र सरकार की अधिसूचना से तुलना की है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब तेलंगाना सरकार की तरफ से जातिगत जनगणना के संबंध में अधिसूचना जारी की गई थी, तो उसमें तीन बार जाति शब्द का जिक्र किया गया था।

लेकिन विडंबना देखिए कि आज जब केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी की है तो इसमें एक बार भी जाति शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया है। कांग्रेस नेता ने यह पोस्ट केंद्र सरकार की तरफ से जातिगत जनगणना के संबंध में अधिसूचना जारी करने के बाद किया है। इस मामले को लेकर सियासत चरम पर है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही एक-दूसरे पर हमलावर हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए उसे झूठ की फैक्ट्री करार दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठ की फैक्ट्री है, जो लगातार देश को गुमराह करने का प्रयास करती है। पूनावाला ने दावा किया कि कांग्रेस ने हाल ही में यह झूठ फैलाया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना नहीं होगी, जबकि भारत सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि जाति आधारित जनगणना की जाएगी। पूनावाला ने प्रेस सूचना ब्यूरो की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्तियों का हवाला देते हुए कहा कि 30 अप्रैल, 4 जून और 15 जून को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठकों के बाद यह स्पष्ट किया गया था कि जनगणना में जाति गणना शामिल होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम ही झूठ फैलाना है।

केंद्र ने जारी की अधिसूचना

केंद्र सरकार ने सोमवार को जातिगत जनगणना के संबंध में अधिसूचना जारी की थी। इस अधिसूचना में बताया गया है कि जातिगत जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक, पहला चरण 1 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा, जिसमें जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड शामिल होंगे, जबकि दूसरा चरण 1 मार्च, 2027 से शुरू होगा। अधिसूचना के अनुसार जनगणना के लिए संदर्भ तारीख पूरे भारत के लिए 1 मार्च, 2027 को रात 12 बजे होगी, लेकिन लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फीले क्षेत्रों में यह तारीख 1 अक्टूबर, 2026 को रात 12 बजे होगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।